DAINIK BHASKAR, Surat, 15.11.2024
Page No. 2, Size:(18.19)cms X (8.82)cms.

योजना • सूरत हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट का जापानी राजदूत ने किया निरीक्षण, ट्रैक ट्रेनिंग सेंटर का भी लिया जायजा

बुलेट ट्रेन स्टेशनों के आसपास आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की योजना, होटल-कॉर्पोरेट कार्यालय जैसी सुविधाएं होंगी

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

जापान के राजदूत एचई केईचीओनो, जेआईसीए इंडिया के प्रमुख ताकेउचि ताकुरो और एनएचएसआरसीएल (नेशनल हाई स्पीड रेल) के प्रबंध निदेशक विवेक कुमार गुप्ता ने सूरत में मुंबई-आहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के विभिन्न निर्माण स्थलों और ट्रैक प्रशिक्षण सुविधाओं का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। बुलेट ट्रेन परियोजना का यह दौरा महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भारत में उच्च गति रेलवे के विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम है। परियोजना के काम की गति और गुणवत्ता पर खास ध्यान दिया गया। यात्रियों, हितधारकों की पहुंच और सुविधा बढ़ाने और स्टेशनों के आसपास आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए, बुलेट ट्रेन स्टेशनों के आसपास के क्षेत्रों को टीओडी (ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट) की नीतियों के अनुसार विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसका उद्देश्य मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना (स्मार्ट) से जुड़ी स्टेशन क्षेत्र विकास पहल के हिस्से के रूप में अत्याधुनिक स्टेशन क्षेत्र विकास रणनीतियों को लागू करना है।

▪ चार स्टेशन | गुजरात में साबरमती और सूरत व महाराष्ट्र में विरार और थाने को शहर एवं राज्य प्राधिकारियों द्वारा चयनित किया गया है।

ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) के फायदे

- **बेहतर एक्सेसिबिलिटी और कम भीड़:** इस परियोजना से स्टेशनों तक पहुंच सुगम होगी, जिससे यात्रियों को सुगम यातायात मिलेगा।
- एक समग्र शहरी पारिस्थितिकी का निर्माण करते हुए, स्टेशन क्षेत्रों के आसपास कॉर्पोरेट कार्यालयों, होटलों, शैक्षणिक संस्थानों और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं जैसे प्रमुख बुनियादी ढांचे को विकसित करके पैदल चलने योग्य दूरी पर एचएसआर स्टेशनों के आसपास मिश्रित उपयोग का विकास करने की योजना है।
- **स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा:** टीओडी पहल से स्टेशनों के आसपास व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने, स्थानीय व्यवसायों को लाभ होने और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान मिलने की उम्मीद है।

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 16.11.2024
Page No. 4, Size:(11.54)cms X (10.46)cms.

पारगमन उन्मुख विकास से स्थानीय अर्थव्यवस्था को होगा लाभ

जापानी राजदूत ने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट और ट्रैक प्रशिक्षण केंद्रों का किया दौरा

जापानी राजदूत ने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की जानकारी ली व ट्रैक प्रशिक्षण केंद्रों का किया निरीक्षण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. शहर के अंत्रोली में बन रहे सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन का जापान के नए राजदूत, जेआईसीए इंडिया के प्रमुख और नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के एमडी ने निरीक्षण किया हैं। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों से परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली और ट्रैक प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बुलेट ट्रेन स्टेशनों के आसपास आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया।

जापान के नए राजदूत केइची ओनो, जेआईसीए इंडिया के प्रमुख टेकाउची ताकुरो और एनएचएसआरसीएल के एमडी विवेक कुमार गुप्ता ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए सूरत में विभिन्न निर्माण स्थलों और ट्रैक प्रशिक्षण सुविधा का दौरा किया। इस दौरे में स्थानीय अधिकारियों ने उन्हें परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी दी और बुलेट ट्रेन स्टेशनों के आसपास आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके बाद एनएचएसआरसीएल के एमडी विवेक कुमार गुप्ता ने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में मुंबई बुलेट ट्रेन निर्माण स्थल का निरीक्षण किया, प्रगति की समीक्षा की और हाई-स्पीड रेल परियोजना में उत्कृष्टता प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दोहराया। इसके अलावा जापान और भारत सरकार के सहयोग से सूरत, विरार और ठाणे क्षेत्रों में टीओडी नीति लागू की जाएगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। टीओडी नीति के लाभ में स्टेशन तक आसान पहुंच शामिल हैं। स्टेशनों तक पहुंच में आसानी और भीड़भाड़ नियंत्रण किया जाएगा। मिश्रित उपयोग क्षेत्र जैसे कॉर्पोरेट कार्यालय, होटल, शैक्षिक और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा और वाणिज्यिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। इसके लिए सूरत, विरार और ठाणे के आसपास के स्टेशनों के लिए विशेष योजनाएं बनाई जा रही हैं। गौरतलब है कि जापान के नए राजदूत केइची ओनो ने 23 अक्टूबर 2024 को भारत में पदभार संभाला है। वे जापान-अमेरिका संबंधों के विशेषज्ञ हैं और विदेश मामलों में वरिष्ठ उप मंत्री और जापान के जी7 शेरपा के रूप में भी काम कर चुके हैं। उन्होंने 2013 में हिरोशिमा में हुए जी7 शिखर सम्मेलन की सफलता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई थी।

DIVYA BHASKAR, Vadodara, 15.11.2024
Page No. 10, Size:(10.91)cms X (9.38)cms.

Other Editions: Vapi, Surat and Ahmedabad

The Japanese Ambassador inspected Bullet Train Project- Track Training Centers

જાપાનના રાજદૂતે બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ-ટ્રેક ટ્રેનિંગ સેન્ટર્સનું ઈન્સ્પેક્શન કર્યું

કહ્યું, ટ્રાન્ઝિટ ઓરિએન્ટેડ ડેવલપમેન્ટથી સ્થાનિક અર્થવ્યવસ્થાને લાભ થશે

ટ્રાન્સપોર્ટેશન રિપોર્ટર | સુરત

જાપાનના રાજદૂત એચ.ઈ. કેઈચી ઓનો, જેઆઈસીએ ઈન્ડિયાના વડા તાકેઉચી તાકુરો અને એનએચએસઆરસીએલના મેનેજિંગ ડાયરેક્ટર વિવેક કુમાર ગુપ્તાએ મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટના સુરતના ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચરની મુલાકાત લેવા સાથે ટ્રેક ટ્રેનિંગ સેન્ટરોની મુલાકાત લીધી હતી. આ મુલાકાતમાં પ્રોજેક્ટની પ્રગતિ વિશે માહિતી મેળવી અને બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશનોની આસપાસ આર્થિક પ્રવૃત્તિઓને વેગ આપવાના પ્રયાસો પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કર્યું હતું.

ટીઓડી નીતિના લાભો, સ્ટેશન સુધી પહોંચવું સરળ

- સ્ટેશનો સુધી પહોંચવાનું સરળ અને ભીડ નિયંત્રણ
- મિશ્ર ઉપયોગ વિસ્તારોઃ કોર્પોરેટ ઓફિસો, હોટલો, શૈક્ષણિક અને આરોગ્ય સેવાઓ
- સ્થાનિક વ્યવસાયોને પ્રોત્સાહનઃ વ્યાવસાયિક પ્રવૃત્તિઓમાં વૃદ્ધિ

સુરત, વિરાર અને ઠાણે આસપાસ સ્ટેશનો માટે વિશેષ યોજના છે

જાપાન અને ભારત સરકારના સહયોગથી સુરત, વિરાર, અને ઠાણેના વિસ્તારોમાં ટીઓડી નીતિ અમલમાં મૂકાશે, જેનાથી સ્થાનિક અર્થવ્યવસ્થાને લાભ થશે.